

你若感觉孤单

降E大调

3/4

1 3 5 | 7̇ 3 5 | i̇ 6 i̇ | 5-- | 54 3- | 32 1- |
 你若感觉孤单,日子难挨, 耶稣, 耶稣,
 2 6̇ 2 | 3-2 | 1 3 5 | 7̇ 3 5 | i̇ 6 i̇ | 5-- |
 与你同在;你若觉人生黑暗,前途茫茫,
54 3- | 32 1- | 2 6̇ 7̇ | 1-1 1 | 1 5 3- | 1 6̇ 4- |
 耶稣, 耶稣, 是你的光。你若从深处 转向祂,
 2 6̇ 2 | 7-7 | 7 3 7 | 1 7 6·0 | 5 4 3 1 | 2-
 重担卸下,祂必定替你担代—祂与你同在。

你若感觉孤单

降E大调

3/4

3 | 1 3 5 | 7 3 5 | $\dot{1}$ 6 $\dot{1}$ | 5-- | $\dot{1}7$ 6 - | $\underline{54}$ 3 - |

不要四处寻求答案,空等待,耶稣,耶稣,

4 3 2 | 1 - $\underline{1}$ $\underline{1}$ | $\underline{1}$ $\underline{5}$ 3- | $\underline{1}$ $\underline{6}$ 4- | 2 6 2 | 7-

祂是现在;你若从深处呼求祂,祂不失误!

7 | 7 3 7 | $\dot{1}$ $\underline{7}$ 6 · 0 | $\underline{5}$ $\underline{4}$ 3 1 | 2 - 3 | 1 3 5 | 7

当你多方受磨炼,请务必记住:无论此世有

3 5 | $\dot{1}$ 6 $\dot{1}$ | 5-- | $\dot{1}7$ 6- | $\underline{54}$ 3- | 4 3 2 | 1- - ||

多少景况遭遇,耶稣,耶稣,耶稣是主。